साम्राज्य विस्तार

इस प्रकार चन्द्रगुप्त मौर्य ने अपने सतत प्रयासों से एक विस्तृत राज्य की स्थापना की थी। उसने उत्तर में हिमालय से लेकर दक्षिण में मैसूर, पूर्व में बंगाल से लेकर उत्तर पश्चिम में हिन्दुकुश पर्वत तथा पश्चिम में अरब सागर तक अपने साम्राज्य का विस्तार किया। अफगानिस्तान, बलूचिस्तान, पंजाब सिंध, कश्मीर बंगाल, सौराष्ट्र, मालवा तथा दक्षिण में मैसूर तक का विशाल भू-भाग उसके साम्राज्य में सम्मिलित था। पाटलिपुत्र उसकी राजधानी थी।

चन्द्रगुप्त मौर्य का अन्त

बौद्ध साहित्य के अनुसार चन्द्रगुप्त मौर्य ने 322 ई० पू० से 298 ई० पू० तक कुल मिलाकर 24 वर्ष सफलता पूर्वक शासन किया। जैन साहित्य के अनुसार अपने जीवन काल के अन्तिम दिनों में राजकाज अपने पुत्र को सौंप दिया और जैन धर्म स्वीकार कर